जग जननी तूं सबदी पालनहार है

जग जननी तूं सबदी पालनहार है

शेएर : चारे युग प्रताप मां तेरा, तेरे कई अवतार,
वेद पुराणां पर ना पाया, महिमा अपरम्पार |
संता भक्तां दी महाराणी, तीन लोक सरकार,
दास 'मधुप' तेरे गुण गावे, बोले जय जयकार ||

धुनः काली कमली वाला मेरा यार जैसी धुन

जग जननी तूं सबदी पालनहार है ईह सारा संसार तेरा परिवार है ||

तूं ही साडी जीवन जिंदगी,
आरती पूजा भजन बंदगी |
मां तू ही इस जीवन दा आधार है ||
ईह सारा संसार.....

दुख दरिद्र दोष मां हारना,
अवगुण साडे चित ना धरना |
तूं ही करना भव सागर तों पार है ||
ईह सारा संसार.....

अपनी कृपा आप मां करना,
दे मुरादां झोलियां भरना |
दास 'मधुप' तेरे चरणां तों बलिहार है ||
ईह सारा संसार.....

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33920/title/jag-janni-tu-sabki-palanhaar-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |